भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 429 का उत्तर

रेल मार्गों पर कवच प्रणाली हेतु धनराशि का आवंटन

429. श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि:
डॉ. रानी श्रीकुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कवच प्रणाली की संस्थापना के लिए आवंटित, उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ख) जून 2023 में बालासोर ट्रेन दुर्घटना के बाद कवच प्रणाली के अंतर्गत लाए गए रेल नेटवर्क की कुल दूरी किलोमीटर में कितनी है; और

(ग) कवच प्रणाली की संस्थापना की धीमी गति के क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सभी रेलगाड़ियों और रेलवे लाइनों पर कवच की संस्थापना के लिए कोई अनुमानित समय-सीमा निर्धारित की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ):

1. कवच स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षण प्रणाली है। यह अत्यधिक प्रौद्योगिकी प्रधान प्रणाली है, जिसके लिए उच्चतम स्तर के संरक्षा प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है।

2. यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है तो कवच स्वतः ब्रेक लगाकर लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है

और यह खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ी को संरक्षित ढंग से चलाने में भी सहायता करता है।

3. कवच के कार्यान्वयन में कई कार्य करने होते हैं, जैसे:

क) प्रत्येक स्टेशन पर स्टेशन कवच की संस्थापना।

ख) पूरे रेलपथ की लंबाई में आरएफआईडी टैग का संस्थापन।

ग) समग्र खंड पर दूरसंचार टावरों का संस्थापन।

घ) रेलपथ के साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना

ङ) भारतीय रेल में चलने वाले प्रत्येक रेल इंजन पर लोको कवच का प्रावधान।

4. अब तक, कवच को दक्षिण मध्य रेल के 1465 मार्ग किलोमीटर पर और 144 रेलइंजनों में लगाया जा चुका है।

5. वर्तमान में, दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा गलियारे (लगभग 3000 मार्ग किमी) पर कवच से संबंधित प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

(i) ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना : 4275 किमी

(ii) दूरसंचार टावरों का संस्थापन : 364 अदद

(iii) स्टेशनों पर कवच उपस्कर का प्रावधान : 285 अदद

(iv) रेलइंजनों में कवच उपस्कर का प्रावधान : 319 रेलइंजन

(v) ट्रैक साइड उपस्कर का संस्थापन : 1384 मार्ग किमी

6. भारतीय रेल ने अन्य 6000 मार्ग किमी के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और विस्तृत अनुमान तैयार किए हैं।

7. 16.07.2024 को कवच 4.0 विशिष्टि को आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित किया गया है। इस संस्करण में विविध रेलवे नेटवर्क के लिए आवश्यक सभी प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं। यह भारतीय रेल की संरक्षा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अल्प अवधि के भीतर, भारतीय रेल ने स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षण प्रणाली का निर्माण, परीक्षण और संस्थापन शुरू कर दिया है।

8. कवच की व्यवस्था चरणबद्ध रूप से उत्तरोत्तर कराई जा रही है।

9. क्षमता वृद्धि और कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए, कई ओईएम के परीक्षण और अनुमोदन विभिन्न चरणों में हैं।

10. कवच निर्माण कार्यों पर अब तक उपयोग की गई राशि ₹1216.77 करोड़ है। वर्ष 2024-25 के दौरान ₹1112.57 करोड़ की राशि का आवंटन किया गया है।

*****